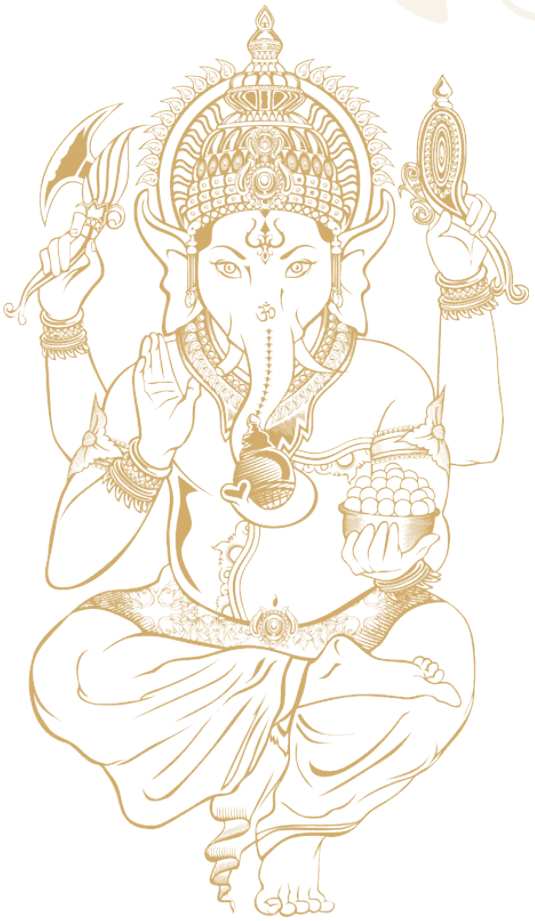

mr.harjeet

ms.sandeep

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120187411

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/10/1995	जन्म तिथि	15/05/1995
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 10:04:15	जन्म समय(घटी)	01:07:20 घटी
India	देश	India
Dhuri	स्थान	Dhuri
30:22:00 उत्तर	अक्षांश	30:22:00 उत्तर
75:53:00 पूर्व	रेखांश	75:53:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:28	स्थानिक संस्कार	-00:26:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:17	सूर्योदय	05:33:03
17:56:09	सूर्यास्त	19:12:58
23:48:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:41

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 11वर्ष 6मा 4दि		18:01:25	वृश्चि	लग्न	वृष	06:29:18	गुरु 1वर्ष 5मा 13दि	
शनि		27:34:03	कन्या	सूर्य	मेष	29:56:33	बुध	
20/04/2023		11:28:17	मिथु	चंद्र	वृश्चि	02:07:22	27/10/2015	
20/04/2042		02:09:58	वृश्चि	मंगल	सिंह	01:37:21	26/10/2032	
शनि	23/04/2026	11:19:16	कन्या	बुध	वृष	21:04:09	बुध	25/03/2018
बुध	31/12/2028	19:01:27	वृश्चि	गुरु व	वृश्चि	18:51:44	केतु	22/03/2019
केतु	09/02/2030	12:16:37	तुला	शुक्र	मेष	03:50:21	शुक्र	20/01/2022
शुक्र	11/04/2033	25:22:19	कुंभ व	शनि	कुंभ	28:46:35	सूर्य	26/11/2022
सूर्य	24/03/2034	02:43:08	तुला	राहु व	तुला	11:46:52	चन्द्र	27/04/2024
चन्द्र	23/10/2035	02:43:08	मेष	केतु व	मेष	11:46:52	मंगल	24/04/2025
मंगल	01/12/2036	02:45:28	मक	हर्ष व	मक	06:38:27	राहु	11/11/2027
राहु	08/10/2039	29:00:08	धनु	नेप व	मक	01:40:39	गुरु	16/02/2030
गुरु	20/04/2042	05:13:36	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	05:35:25	शनि	26/10/2032

लग्न-चलित

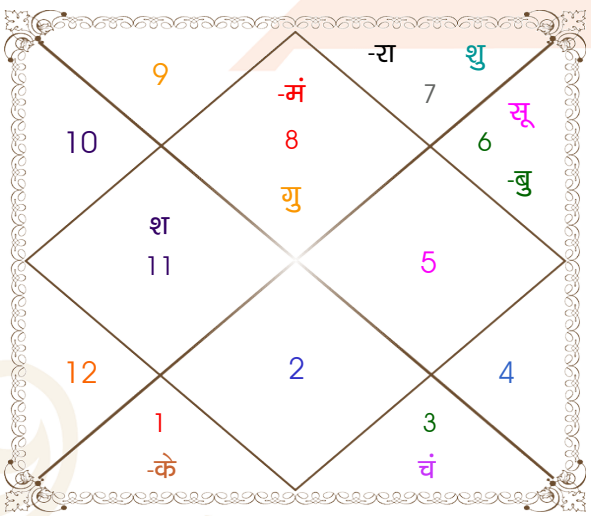

लग्न-चलित

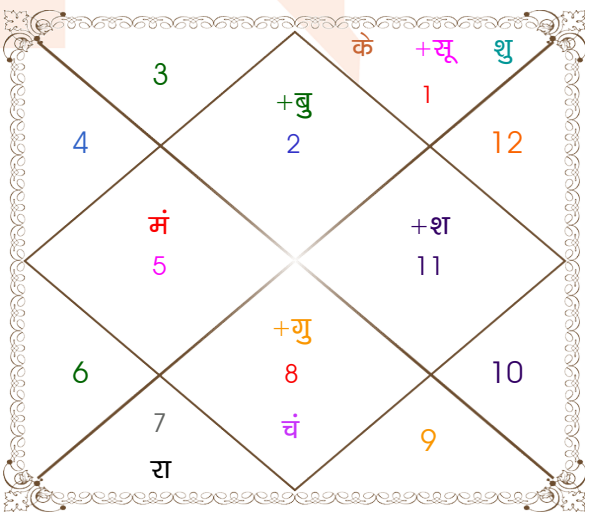

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

उतर्णींतरममज का वर्ग मार्जार है तथा उेंदकममच का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार उतर्णींतरममज और उेंदकममच का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

उतर्णींतरममज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल उतर्णींतरममज कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु उतर्णींतरममज कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

उर्ध्वेदकममच मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु उर्ध्वेदकममच कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि उतर्णीतरममज कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

उतर्णीतरममज तथा उर्ध्वेदकममच में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।